पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

कल से अच्छा आज है और आने वाला कल आज से अच्छा होगा, में विश्वास रखता हूँ - राज्यपाल
प्रदेश का विकास होगा तो देश का विकास होगा - श्री नाईक

लखनऊः 7 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजस्थान पत्रिका द्वारा आयोजित आइडिया फेस्ट में 'उत्तर प्रदेश का बदलता परिदृश्य' पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि कार्यक्रम का शीर्षक अनेक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जुलाई 2014 में वे राज्यपाल के नाते उत्तर प्रदेश आये। उत्तर प्रदेश को नजदीक से देखा और सुना है। राजनैतिक गतिविधियों पर भी नजर रखी है। नये परिवर्तन का जो चित्र है 'कल से अच्छा आज है और आने वाला कल आज से अच्छा होगा' में विश्वास रखता हूँ।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा प्रदेश है जहाँ बड़ी संख्या में मानव संसाधन उपलब्ध है। शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में 15,60,375 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयी जिनमें 51 प्रतिशत छात्राएं हैं। छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 66 प्रतिशत पदक प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश में यह बदलाव का शुभ संकेत है। क्योंकि इससे पूर्व समय पर दीक्षान्त समारोह नहीं आयोजित होते थे तथा छात्रों को उपाधियाँ भी समय से नहीं मिलती थीं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि इस शिक्षित युवा पीढ़ी को उचित मार्ग दर्शन मिले ताकि वे प्रदेश के लिए उत्पादक बन सकें।

श्री नाईक ने बताया कि उत्तर प्रदेश इस दृष्टि से भी बदला है कि स्थापना के 68 वर्ष बाद पहली बार सरकारी स्तर पर उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस आयोजित किया गया। वर्तमान सरकार ने 'एक जिला एक उत्पाद' जैसी महत्ती योजना शुरू की जिससे प्रदेश के हर जिले को रोजगार के साथ-साथ नई पहचान मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। संविधान के शिल्पी डा0 भीमराव आंबेडकर का सही नाम नहीं लिखा जाता था। राज्य सरकार को सही नाम लिखने की सलाह दी, सरकार ने कानून बनाकर नाम को परिवर्तित किया है जिसका सदन में सभी राजनैतिक दलों ने एकमत होकर समर्थन किया।

राज्यपाल ने कहा कि गत 21 व 22 फरवरी, 2017 को लखनऊ में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट 2018 का आयोजन राज्य सरकार द्वारा किया गया। उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए देश के बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने विश्वास जताया है। समिट में 1,054 एम0ओ0यू0 के माध्यम से रूपये 4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं। बिजली की समस्या को दूर करने के लिये सरकार ने सकारात्मक पहल की है। कानून व्यवस्था को सुधारने की दृढ़ इच्छाशक्ति से लोगों में विश्वास उत्पन्न हुआ है। उद्योग की दृष्टि से उत्तर प्रदेश की परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं। प्रदेश की 22 करोड़ आबादी का मतलब ज्यादा ग्राहक संख्या भी है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन आशा निर्माण करने वाला है।

श्री नाईक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास का सूर्य उदय हो रहा है। प्रदेश का विकास होगा तो देश का विकास होगा। उन्होंने कहा कि जब वे उत्तर प्रदेश आये थे तो उन्होंने प्रथम पत्रकार परिषद में कहा था कि वे जनता दरबार नहीं लगायेंगे पर राजभवन के दरवाजे सबके लिये खुले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे महामहिम नहीं माननीय के रूप में कार्य करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई 2014 से अब तक उन्होंने राजभवन में 22,572 लोगों से व्यक्तिगत मुलाकात की है। लखनऊ में 815 कार्यक्रम एवं लखनऊ के बाहर 504 कार्यक्रमों अर्थात् कुल 1,319 सार्वजनिक कार्यक्रमों में सहभाग किया है।

कार्यक्रम में राजस्थान पत्रिका के मुख्य संपादक श्री गुलाब कोठारी ने राज्यपाल का परिचय कराते हुये स्वागत उद्बोधन दिया तथा स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंट करके उनका सम्मान किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (143/15)

पत्रिका.com